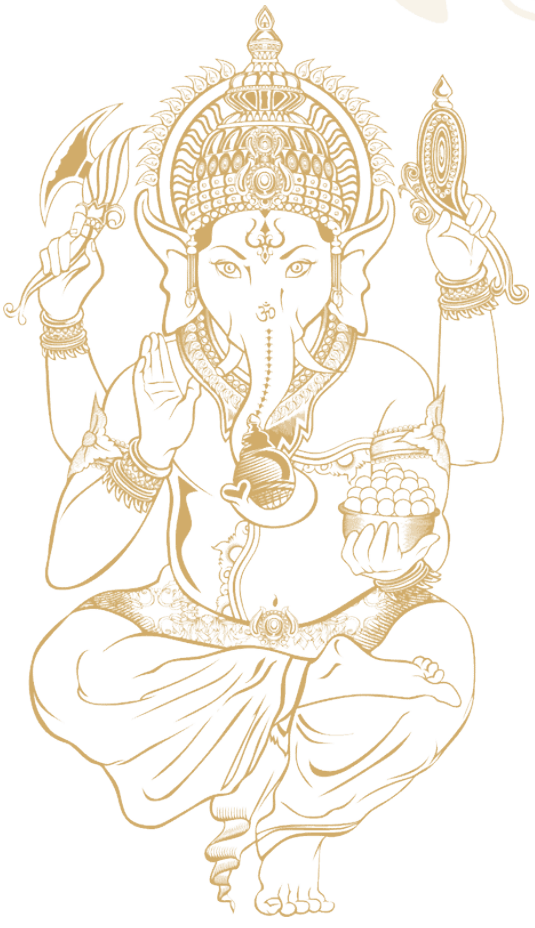

Raghav blg mrt

aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121944504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/01/1998	जन्म तिथि	21-22/01/1999
शनिवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 10:05:00	जन्म समय	04:50:00 घंटे
घटी 07:06:42	जन्म समय(घटी)	54:02:30 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:19	सूर्योदय	07:13:00
17:38:25	सूर्यास्त	17:48:03
23:49:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 2मा 6दि		16:14:50	कुंभ	लग्न	धनु	01:19:20	गुरु 2वर्ष 10मा 15दि	
गुरु		25:53:48	धनु	सूर्य	मक	07:37:51	बुध	
18/03/2022		24:53:10	वृष	चंद्र	मीन	00:56:12	07/12/2020	
18/03/2038		24:10:45	मक	मंगल	तुला	04:16:06	07/12/2037	
गुरु	06/05/2024	03:09:48	धनु	बुध	धनु	28:59:19	बुध	06/05/2023
शनि	17/11/2026	00:22:59	कुंभ	गुरु	मीन	01:38:09	केतु	02/05/2024
बुध	22/02/2029	06:00:14	मक व	शुक्र	मक	27:47:29	शुक्र	03/03/2027
केतु	29/01/2030	20:15:48	मीन	शनि	मेष	03:25:34	सूर्य	07/01/2028
शुक्र	29/09/2032	18:04:30	सिंह व	राहु	कर्क	28:21:38	चन्द्र	07/06/2029
सूर्य	18/07/2033	18:04:30	कुंभ व	केतु	मक	28:21:38	मंगल	05/06/2030
चन्द्र	17/11/2034	13:47:52	मक	हर्ष	मक	18:16:29	राहु	22/12/2032
मंगल	24/10/2035	05:27:19	मक	नेप	मक	08:00:00	गुरु	30/03/2035
राहु	18/03/2038	13:14:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:48	शनि	07/12/2037

लग्न-चलित

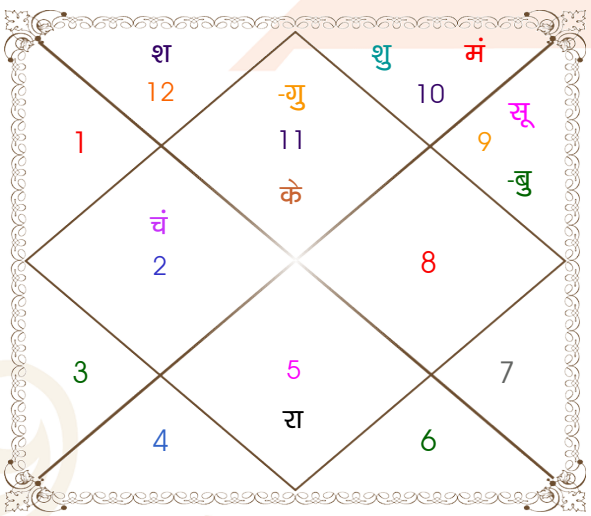

लग्न-चलित

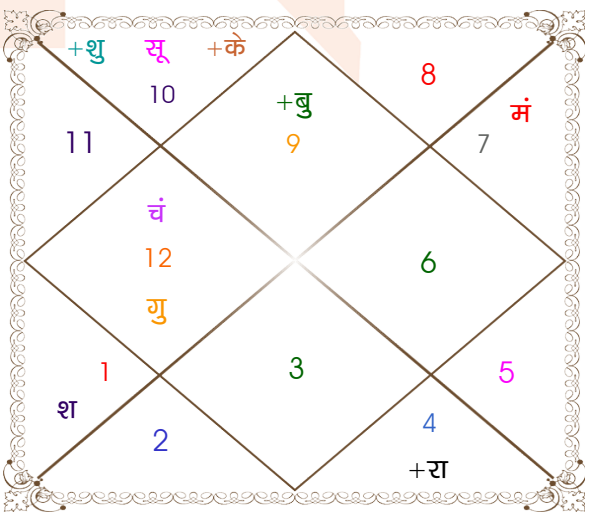

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Raghav blg mrt का वर्ग मृग है तथा aayushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Raghav blg mrt और aayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Raghav blg mrt मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Raghav blg mrt कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल aayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Raghav blg mrt तथा aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।